द्वितीय संस्करण
नए पाठ्यक्रमानुसार

आई.जी.सी.एस.ई के
विद्यार्थियों के लिए उपयोगी

श्रवण एवं मौखिक अभिव्यक्ति कौशल

Listening and Speaking Skill

भाग - 1 (कक्षा नौ के लिए)

प्रश्नपत्र–2

संवाद, उदघोषणा, साक्षात्कार, फिल्म समीक्षा, वार्तालाप, लेख, समाचार

डॉ. अमित कुमार सिंह पुन्ढ़ीर

उत्तरमाला के साथ
With Answer key

श्रवण एवं मौखिक अभिव्यक्ति कौशल

भाग – 1

(Listening and Oral Expression/Speaking Skill)

– डॉ अमित कुमार सिंह पुन्ढ़ीर

📖 अनुक्रमणिका 📖

श्रवण कौशल (Listening skill)		
क्रमांक	अभ्यास	पृष्ठ संख्या
1	श्रवण कौशल (Listening skill)	01
2	मूल्यांकन के उद्देश्य (Assessment objectives)	02
3	पाठ्यक्रम का अवलोकन (Assessment objectives)	02
4	विषय सामग्री (Listening skill)	02
5	श्रवण अभ्यास – 1 (Listening exercise -1)	04
6	श्रवण अभ्यास – 2 (Listening exercise -2)	10
7	श्रवण अभ्यास – 3 (Listening exercise -3)	16
8	श्रवण अभ्यास – 4 (Listening exercise -4)	22
9	श्रवण अभ्यास – 5 (Listening exercise -5)	28
10	श्रवण अभ्यास – 6 (Listening exercise -6)	34
मौखिक अभिव्यक्ति कौशल (Speaking skill)		
1	मौखिक अभिव्यक्ति कौशल (Speaking skill)	40
2	मौखिक अभिव्यक्ति कौशल परीक्षा का प्रारूप (Structure of the speaking test)	42
3	अभिव्यक्ति कौशल के भाग : 3 के लिए निर्धारित विषय (Topics for part : 3 of the speaking test)	43
4	मौखिक अभिव्यक्ति कौशल के नमूने (Sample of speaking skill)	44
5	मूल्यांकन के उद्देश्य (Assessment objectives)	45
6	मौखिक मूल्यांकन मानदंड (Speaking assessment criteria grid)	45

प्रश्नपत्र– 2 (श्रवण)

सभी प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखने होंगे।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सभी उत्तर प्रश्नपत्र में दिए गए खाली स्थानों में ही लिखने होंगे।

शब्दकोश का प्रयोग वर्जित है।

अभ्यास – 1 लघु उत्तर वाले प्रश्न

विद्यार्थी को 6 श्रवण सामग्री सुनाई जाएगी। जिन्हें सुनकर संक्षिप्त उत्तर लिखने होंगे।

उदाहरण के लिए – उद्घोषणा, रिकॉर्ड किए गए फोन संदेश, संक्षिप्त बातचीत।

कुल अंक – 8

अभ्यास – 2 रिक्त स्थानों की पूर्ति

विद्यार्थी को एक लम्बी श्रवण सामग्री सुनाई जाएगी। जिसे सुनकर दिए गए खाली स्थानों को भरना होगा।

उदाहरण के लिए – बातचीत, साक्षात्कार, एकालाप, संस्मरण, औपचारिक वार्ता।

कुल अंक – 8

अभ्यास – 3 जानकारी को ठीक करना

विद्यार्थी को एक लम्बी श्रवण सामग्री सुनाई जाएगी। जिसे सुनकर उन्हें प्रत्येक कथन में रेखांकित की गई गलती को सही शब्दों या वाक्यांश का प्रयोग करते हुए ठीक करना होगा।

कुल अंक – 8

अभ्यास – 4 वैकल्पिक प्रश्न

विद्यार्थी एक साक्षात्कार अथवा दो लोगों के बीच वार्तालाप सुनेंगे। जिसके आधार पर सही विकल्प का चयन करना होगा।

कुल अंक – 8

श्रवण कौशल (Listening skill)

मनुष्य में भाषा सीखने की प्रवृत्ति स्वाभाविक रुप से विद्यमान रहती है। उसकी इस प्रवृत्ति का प्रमाण शैशवावस्था में मिल जाता है। जब वह अनुकरण के माध्यम से अपने माता–पिता तथा घर के अन्य सदस्यों से ध्वनियाँ ग्रहण करता है, ध्वनि समूहों को समझने लगता है और उन्हें बोलने लगता है। ये ध्वनियाँ ही बच्चे के भाषा ज्ञान का आधार बनती हैं अतः यह स्वाभाविक प्रवृत्ति ही उसे भाषा सीखने की ओर प्रशस्त करती है। अच्छी प्रकार से सुनने के कारण ही बालक ध्वनियों के सूक्ष्म अंतर को समझ पाता है। भाषा शिक्षण की प्रक्रिया सामान्य रूप से विद्यालयों में इसके माध्यम से ही प्रारम्भ होती है। शिक्षक द्वारा श्रवण कौशल को विकसित करने के लिए छात्रों की रूचि का ध्यान रखते हुए उसके समक्ष सामग्री प्रस्तुत की जाती है, क्योंकि रूचिपूर्ण तथ्यों को छात्र ध्यानपूर्वक श्रवण करता है। कई बार ऐसा देखा गया है कि शिक्षक विद्यार्थियों की रूचि का ध्यान रखे बिना उन्हें कुछ ऐसा सुना देते हैं, जिसमें उनकी रूचि नहीं होती। परिणामस्वरूप उनकी रूचि श्रवण में धीरे–धीरे कम होने लगती है। अगर शिक्षक इसके विपरीत कार्य करें जैसे कि ऐसा कुछ सुनाए जिसे विद्यार्थी सुनना पसंद करते हो तो धीरे–धीरे विद्यार्थी श्रवण में रूचि लेने लगता है और बाद में व्याकरण जैसे नीरस विषयों को सुनने के लिए तैयार हो जाता है।

श्रवण कौशल के उद्देश्य –

- सुनकर अर्थग्रहण करने की योग्यता का विकास करना।
- इससे ध्वनियों के सूक्ष्म अंतर को पहचानने की क्षमता विकसित होती है।
- विद्यार्थियों की मौलिकता में वृद्धि करना।
- विद्यार्थियों का मानसिक एवं बौद्धिक विकास करना।
- विद्यार्थियों में भाषा एवं साहित्य के प्रति रूचि पैदा करना।
- विद्यार्थियों को साहित्यिक गतिविधियों में भाग लेने व सुनने के लिए प्रेरित करना।
- श्रुत सामग्री के विषय को भली–भाँति समझने की योग्यता उत्पंन करना।
- भावों, विचारों व तथ्यों का मूल्यांकन कर सकना।
- श्रवण के माध्यम से विद्यार्थियों में विभिन्न प्रकार के शब्दों को सुनकर उनके मूल भाव को समझने की दक्षता का विकास करना।
- श्रवण किये जाने वाले विभिन्न प्रकार के शब्द एवं वाक्यों के बीच संबंध स्थापित करना।
- वक्ता के भावों को समझकर उनके अनुरूप अपनी क्रियाओं को निश्चित करना है।
- श्रवण की गई जानकारी को अपने दैनिक जीवन से संबद्ध करने की कुशलता का विकास करना।

श्रवण कौशल के विकास की समस्याएँ – कई बार ऐसा देखने को मिलता है कि विद्यार्थी श्रवण कार्य को गंभीरता से नहीं लेते हैं। इससे शिक्षक क्रोधित होकर उन पर अनुशासनहीनता का आरोप लगाते हैं। परिणामस्वरूप विद्यार्थियों में श्रवण के प्रति अरूचि का जन्म होता है। श्रवण कौशल के विकास में कुछ प्रमुख समस्याएँ इस प्रकार हैं –

Assessment Objectives

मूल्यांकन के उद्देश्य

श्रवण (Listening) –

- प्रासंगिक जानकारी को पहचानें एवं चुनें।
- विचार, राय एवं व्यवहार को समझें।
- विचार, राय एवं व्यवहार के बीच के संबंधों को समझें।
- प्रत्यक्ष बात के स्थान पर निहित भाव को समझें। जैसे – सार, वक्ता के उद्देश्य, इरादे एवं भावनाएँ।

Syllabus overview

पाठ्यक्रम का अवलोकन

उद्देश्य –

1– व्यावहारिक संप्रेषण के लिए हिंदी भाषा का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की क्षमता विकसित करना।

2– हिंदी में आगे की पढ़ाई एवं रोजगारलक्षी आवश्यक कौशलों का विकास करना।

3– भाषा की प्रकृति एवं भाषायी कौशलों के बारे में जागरूकता फैलाना विकसित करना।

4– विद्यार्थियों को हिंदी में प्रयुक्त नई शब्दावली के प्रयोग के लिए प्रोत्साहित करना।

विषय सामग्री
Subject content

श्रवण (Listening) –

- विभिन्न स्रोतों से तथ्यात्मक जानकारी और विचारों को समझना जैसे रिकॉर्ड किए गए फोन, संदेश, समाचार या मौसम रिपोर्ट, यात्रा प्रसारण, साक्षात्कार, वार्ता, संस्मरण टेलीफोन–वार्ता।
- प्रासंगिक जानकारी की पहचान करके विभिन्न स्रोतों से सही विवरण का चयन करें।
- विभिन्न स्रोतों से विचार, राय और व्यवहार की पहचान करके उनके सहसंबंध को समझना।
- अप्रयक्ष रूप से सारांश, उद्देश्य के बारे में कुछ जानकारी दें।

श्रवण अभ्यास – 1

प्रश्न 1 से 6 के लिए आप क्रमानुसार कुछ संक्षिप्त संवाद सुनेंगें। उनके आधार पर प्रत्येक प्रश्न का उत्तर नीचे दी गई रेखा पर लिखिए। आपका उत्तर जहाँ तक हो सके संक्षिप्त होना चाहिए।

आपको प्रत्येक संवाद दो बार सुनाया जाएगा।

1– लड़के को कल दुकानदार के पास क्यों जाना पड़ेगा? (1)

2– पिता ने पुत्र को नौ बजे तक तैयार होने के लिए क्यों कहा? (1)

3– दोपहर के खाने में कौन सी सब्ज़ी बनी थी? (1)

4– व्यक्ति ने नीचे ही कमरे देने की विनती क्यों की? (1)

5– गरीबों के अलावा किस वर्ग के लोगों की हालत खस्ता है? (1)

6– किस श्रेणी का किराया 108 रूपए है? (1)

7– मधुमेह अर्थात् डायबिटीज़। हाल के कुछ सालों में भारत में यह एक गंभीर बीमारी बनकर उभरी है। डायबिटीज़ के मरीज़ों को खान–पान में बहुत ही परहेज़ करना पड़ता है। डायबिटीज़ से जुड़ी खबरों के बारे में अभी आप एक जानकारी सुनेंगे। उसके आधार पर नीचे दिए गए खाली स्थानों को भरिए।

यह जानकारी आपको दो बार सुनाई जाएगी।

(a)– उनका इशारा ..... की तरफ होता है। (1)

(b)– इस बीमारी में लोग शक्कर, आलू और चावल जैसी ज्यादा .....

वाली चीज़ों से भी परहेज़ करने लगते हैं। (1)

(c)– हाट बाज़ारों में ..... मोटे अनाज वाला आटा ढूँढ़ते नज़र आते हैं।

(1)

(d)– अच्छी खबर मध्यप्रदेश के ..... शहर से आ रही है। (1)

(e)– गेहूँ की इस किस्म को ..... नाम दिया गया है। (1)

(f)– गेहूँ की नई किस्म के गुण ..... की तरह है। (1)

(g)– गेहूँ की नई किस्म में प्रोटीन की मात्रा भी ..... है। (1)

(h)– नामी कंपनियों के शुगर फ्री आटे से ग्राहक ..... नहीं है। (1)

मंगल के बारे में आपने अक्सर पढ़ा होगा। मंगल पर जीवन की मौजूदगी से भी आगे बहुत सी बातें हैं जो जानना दिलचस्प होगा। सुनिए ऐसी ही कुछ दिलचस्प बातें जो शायद आप न जानते हों। इन बातों को आप ध्यान से सुनिए और दिए गए प्रत्येक कथन में रेखांकित की गई गलती को सही शब्दों या वाक्यांश का प्रयोग करते हुए ठीक कीजिए।

यह जानकारी आपको दो बार सुनाई जाएगी। (8)

8– फोबोस डेमोस से थोड़ा **छोटा** है।
फोबोस डेमोस से थोड़ा ..... है।

9– फोबोस धीरे–धीरे मंगल की ओर **मुड़** रहा है।
फोबोस धीरे–धीरे मंगल की ओर ..... रहा है।

10– मंगल का एक साल **फोबोस** के 23 महीने के बराबर होगा।
मंगल का एक साल ..... के 23 महीने के बराबर होगा।

11– मंगल पर पानी **तरल** के रूप में ध्रुवों पर मौजूद है।
मंगल पर पानी ..... के रूप में ध्रुवों पर मौजूद है।

12– मंगल एक **पर्वतीय प्रदेश** की तरह है।
मंगल एक ..... की तरह है।

13– मंगल पर **समुद** बहुत बड़े हैं, बहुत पुराने हैं।
मंगल पर ..... बहुत बड़े हैं, बहुत पुराने हैं।

14– मंगल का गुरूत्वाकर्षण धरती की तुलना में एक **चौथाई** है।
मंगल का गुरूत्वाकर्षण धरती की तुलना में एक ..... है।

15– मंगल की **धरती** पर धूल भरे तूफान उठते रहते हैं।
मंगल की ..... पर धूल भरे तूफान उठते रहते हैं।

रितिका अग्निहोत्री के साथ दिशिता रेड्डी के रेडियो वार्तालाप को ध्यान से सुनिए और निम्नलिखित वाक्यों को पूरा करने के लिए A, B अथवा C में से किसी एक विकल्प को सही (✓) का निशान लगा कर चुनें।

यह वार्तालाप आपको दो बार सुनाया जाएगा।

16– रितिका जी हिंदी भाषा के अलावा और किस भाषा में फिल्में कर रही हैं?

(A) कन्नड़ ☐

(B) तेलुगू ☐

(C) तमिल ☐

17– अभिनेत्री के अलावा वह इस क्षेत्र में किस रूप में जुड़ी हैं?

(A) सह–निर्माता के तौर पर ☐

(B) निर्माता के तौर पर ☐

(C) संगीतकार के तौर पर ☐

18– रितिका जी की फिल्म में सभी ने अपना काम किस प्रकार किया?

(A) लापरवाही पूर्वक ☐

(B) एक–दूसरे पर टाल दिया ☐

(C) सुचारू रूप से ☐

19– इस फिल्म में काम करने वाले अधिकतर चेहरे कौन हैं?

(A) युवा है ☐

(B) अनुभवी है ☐

(C) बच्चे हैं ☐

20– रितिका जी मूल रूप से कहाँ की रहने वाली हैं?

(A) आंध्रप्रदेश ☐

(B) मुंबई ☐

(C) कर्नाटक ☐

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल (Speaking skill)

मौखिक अभिव्यक्ति का अर्थ सामान्यतः बोलने की प्रक्रिया से है। जब विद्यार्थी अपने विचारों एवं भावों को स्पष्ट रूप से प्रकट करने का प्रयास करता है, तो उसे मौखिक अभिव्यक्ति का सहारा लेना पड़ता है। मानव अधिकतर अपनी अनुभूतियों एवं मन के भावों को व्यक्त करने के लिए मौखिक भाषा का ही प्रयोग करता है। मौखिक अभिव्यक्ति में विद्यार्थियों की मौखिक अभिव्यक्ति के आधार पर ही उनकी अभिव्यक्ति का मूल्यांकन किया जाता है। जब एक विद्यार्थी सस्वर एवं धारा प्रवाह रूप में बोलते हुए अपने विचारों को प्रस्तुत करता है, तो यह माना जाता है कि उसमें मौखिक अभिव्यक्ति कौशल की योग्यता हे। वहीं जब कोई विद्यार्थी इसमें निष्फल होता है तो कहा जाता है कि वह मौखिक अभिव्यक्ति कौशल को पूर्णरूप से आत्मसात नहीं कर सका। मौखिक अभिव्यक्ति कौशल के लिए कहीं–कहीं पर वाचन कौशल जैसे शब्द का भी प्रयोग देखने को मिलता है। आधुनिक युग में जीवन की सफलता का आधार बहुत हद तक हमारी मौखिक अभिव्यक्ति पर निर्भर करता है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में हमें मौखिक अभिव्यक्ति का सहारा लेना पड़ता है।

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल का महत्व – मौखिक अभिव्यक्ति कौशल एक महत्वपूर्ण कौशल है। मौखिक भाषा ही अभिव्यक्ति का सहज व सरल सरलतम माध्यम है। मौखिक अभिव्यक्ति में अनुकरण अभ्यास के अवसर बराबर मिलते रहते हैं। मौखिक भाषा के प्रयोग में कुशल व्यक्ति, अपनी वाणी से जादू जगा सकता है। लोकप्रिय नेताओं के भाषण इसी बात का प्रमाण है। इस तरह से विचारों के आदान–प्रदान में नई–नई जानकारियाँ मिलती हैं। अशिक्षित व्यक्ति का सबसे बड़ा धन उसकी मौखिक भाषा ही होती है। दैनिक कार्यों में मौखिक भाषा प्रयुक्त होती हैं। मौखिक अभिव्यक्ति कौशल का महत्व समझने के लिए निम्नलिखित बिन्दुओं को समझना आवश्यक है।

1– मौखिक अभिव्यक्ति का प्रमुख साधन वाचन कौशल है। इसके आधार पर ही बालकों की योग्यता एवं प्रतिभा को पहचानकर उनका विकास किया जा सकता है।

2– रोज़मर्रा के जीवन में सभी कार्य वाचन कौशल के आधार पर ही सम्भव होते हैं। ऐसा माना जाता है कि वाक्पटु व्यक्ति को जीवन में अधिक सफलता मिलती है।

3– अच्छा वक्ता कठिन विचारों को भी सरल रूप में लोगों के समक्ष रख पाने में सफल होता है।

4– मौखिक अभिव्यक्ति कौशल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को निखारने में बहुत मद्दगार होता है। वे प्रत्येक तथ्य का प्रस्तुतीकरण सारगर्भित एवं प्रभावी रूप से करने में सक्षम होते हैं।

5– मौखिक अभिव्यक्ति कौशल के माध्यम से विद्यार्थियों के शब्द–भण्डार में वृद्धि होती है। सही समय पर, सही संदर्भ में बोला गया सही शब्द वक्ता विद्यार्थी के व्यक्तित्व को निखार देता है।

6– मौखिक अभिव्यक्ति से विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास एवं भाषायी विकास होता है।

D **विश्व में कामकाज** **(The world of work)**	**सतत शिक्षण** ▪ आगे की शिक्षा एवं प्रशिक्षण D1 **व्यवसाय और रोजगार** ▪ व्यवसाय में भविष्य की योजनाएँ D2 ▪ रोज़गार D3	**चर्चा के संभावित क्षेत्र –** उदाहरण – विश्वविद्यालय में पढ़ने के लाभ एवं हानि, विद्यालय से उत्तीर्ण होने के बाद तुरंत काम पर जाना या फिर एक साल का अंतराल लेना।
E **अंतर्राष्टीय विश्व** **(The International world)**	**घरेलू एवं विदेशों में पर्यटन** ▪ अवकाश यात्रा और परिवहन E1 ▪ भौगोलिक परिवेश E2 **अन्य देशों में जीवन** ▪ मौसम E3 ▪ स्थान एवं प्रथाएँ E4 खान–पान E5 लोगों से मिलना–जुलना E6	**चर्चा के संभावित क्षेत्र –** उदाहरण – युवाओं में यात्रा का मूल्य

Sample of speaking skill

अभिव्यक्ति कौशल के नमूने

सभी नमूने (sample) सी.डी में रिकॉर्ड किए गए हैं। नमूनों के बारे में जानकारी यहाँ प्रदान की गई है।

Sample A - विद्यार्थिनी ने 'पारंपरिक खेल' विषय पर अपनी प्रस्तुति दी है। शिक्षक द्वारा पूछे गए प्रश्न विषय क्षेत्र A (Every day Activites) अर्थात् 'दैनिक गतिविधियों' एवं विषय क्षेत्र C (The world around us) 'हमारे आस–पास की दुनिया' पर आधारित हैं।

Sample B - विद्यार्थी ने 'भारतीय पारंपरिक दावत' विषय पर अपनी प्रस्तुति दी है। शिक्षक द्वारा पूछे गए प्रश्न विषय क्षेत्र B (Personal and social life) अर्थात् 'व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन' एवं विषय क्षेत्र E (The International world) 'अंतर्राष्ट्रीय विश्व' पर आधारित हैं।

Sample C - विद्यार्थी ने 'भारतीय त्यौहार' विषय पर अपनी प्रस्तुति दी है। शिक्षक द्वारा पूछे गए प्रश्न विषय क्षेत्र A (Every day Activites) अर्थात् 'दैनिक गतिविधियों' एवं विषय क्षेत्र C (The world around us) 'हमारे आस–पास की दुनिया' पर आधारित हैं।

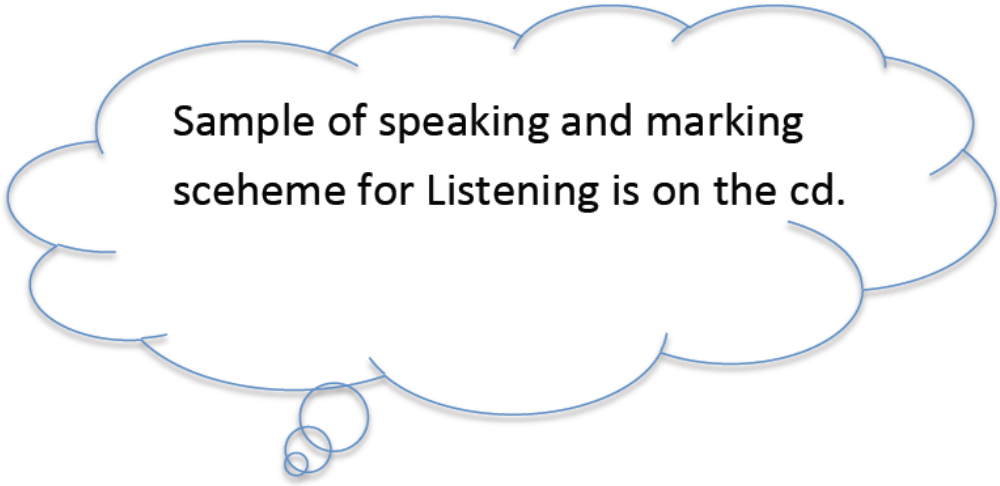

We would like to here your view and feedback on –

amitkumarsingh.pundhir@gmail.com

amit_pundhir@yahoo.com

Contact us on – +919909998226, 09825709211, 9408589211